सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-6 • 29 NOVEMBER TO 05 DECEMBER 2024 • VOLUME 19 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

प्रेरणा

एक समय में एक काम करो, और ऐसा करते समय अपनी पूरी आत्मा उसमें डाल दो और बाकी सब कुछ भूल जाओ

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

CONSULTING DESIGN TRAINING

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &

*Pay Money after the Visa

•IELTS •STUDY ABROAD

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

*T&C apply

बांग्लादेश कोर्ट का इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाने से इनकार

ढाका. बांग्लादेश उच्च न्यायालय ने गुरुवार को देश में इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ कृष्णा कॉन्शसनेस (इस्कॉन) की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने का आदेश पारित करने से इनकार कर दिया। इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाने की मांग वाली याचिका की सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने कहा कि सरकारी अधिकारियों ने आवश्यक कदम उठाए हैं।

सुप्रीम कोर्ट के वकील मोहम्मद मोनिर उद्दीन ने इस्कॉन की गतिविधियों पर समाचार पत्र रिपोर्ट प्रस्तुत की थी और अदालत से चट्टोग्राम, रंगपुर और दिनाजपुर में प्रतिबंध लगाने और धारा 144 लागू करने का अनुरोध किया था। इसके बाद अदालत ने अटॉर्नी जनरल से इस्कॉन के संबंध में सरकार की कार्रवाई की रिपोर्ट देने को कहा। गुरुवार को अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने अदालत को सूचित किया कि वकील सैफुल इस्लाम अलिफ की हत्या और इस्कॉन की गतिविधियों के संबंध में तीन मामले दर्ज किए गए हैं, जिसमें 33 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पीठ ने सरकार को कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने और बांग्लादेश के नागरिकों के जीवन और संपत्ति की रक्षा करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

चिन्मय प्रभु से इस्कॉन ने तोड़ा नाता : बांग्लादेश में वकील सैफुल इस्लाम अलिफ की हत्या और अन्य विवादों में इस्कॉन का नाम जोड़े जाने पर संगठन ने साफ इनकार किया है। इस्कॉन बांग्लादेश के महासचिव चारु चंद्र दास ब्रह्मचारी ने कहा कि इस्कॉन का इन घटनाओं या उनसे जुड़े किसी भी प्रदर्शन में कोई संबंध नहीं है। उन्होंने इन आरोपों को गलत, दुर्भावनापूर्ण और संगठन को बदनाम करने का प्रयास बताया। दरअसल, ढाका में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान चारु चंद्र दास ने कहा कि चिन्मय कृष्ण दास को पहले ही संगठन से निकाल दिया गया था। उन्होंने साफ-साफ कहा है कि संगठन उनके कार्यों या बयानों के लिए जिम्मेदार नहीं है। इस्कॉन बांग्लादेश ने प्रेस कॉन्फ्रेंस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ संवाद के माध्यम से अपनी स्थिति स्पष्ट की है।

अल्पसंख्यकों के जीवन की रक्षा करना बांग्लादेश की जिम्मेदारी

विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों और देवताओं के अपमान और क्षति की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की और सरकार से हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आह्वान किया। संसद में विदेश मंत्रालय का बयान बांग्लादेश में एक हिंदू नेता की गिरफ्तारी और कट्टरपंथी इस्लामी संगठनों द्वारा इस्कॉन और अन्य मंदिरों को निशाना बनाए जाने को लेकर अशांति की ताजा लहर के बीच आया है। राज्यसभा में एक जवाब में, विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि भारत सरकार ने ऐसी घटनाओं पर अपनी चिंता व्यक्त की है, जिसमें ढाका के तांतीबाजार में एक पूजा मंडप पर हमला और दुर्गा पूजा 2024 के दौरान सतखिरा में जेशोरेश्वरी काली मंदिर में चोरी शामिल है। मंत्री ने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के जीवन और स्वतंत्रता की रक्षा करना मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार की जिम्मेदारी थी।

हिंदू पुजारी की गिरफ्तारी का शेख हसीना ने किया विरोध

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने प्रभू चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए उनकी रिहाई की मांग की। पुलिस ने कहा कि मंगलवार को सुरक्षा बलों और चिन्मय कृष्ण दास के अनुयायियों के बीच हिंसक झड़प के दौरान एक वकील की मौत हो गई, जिसकी पहचान सहायक लोक अभियोजक सैफुल इस्लाम के रूप में हुई। राजद्रोह के एक मामले में चटगांव अदालत द्वारा दास को जमानत देने से इनकार किए जाने के बाद विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया।

'आप' द्वारा नगर निगम चुनावों की तैयारियां शुरू

आप पंजाब के अध्यक्ष अमन अरोड़ा ने ली मीटिंग, स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. रवजोत सिंह रहें मौजूद

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

आम आदमी पार्टी (आप) ने पंजाब के पार्टी अध्यक्ष अमन अरोड़ा के नेतृत्व में उच्च स्तरीय बैठकों की एक श्रृंखला के साथ आगामी नगर निगम चुनावों की तैयारियां शुरू कर दी है। वीरवार को चंडीगढ़ पार्टी कार्यालय में दिन भर बैठकों का दौर चला जिसमें राज्य भर से आए प्रमुख पार्टी नेताओं, विधायकों, जिला प्रभारियों और संगठन से जुड़े लोगों ने चुनावी रणनीतियों पर चर्चा की।

पार्टी अध्यक्ष अमन अरोड़ा ने पटियाला, फगवाड़ा, जालंधर और लुधियाना डिवीजन के नेताओं के साथ दिनभर विस्तृत चर्चा की। अरोड़ा ने रणनीतिक योजना और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं के साथ सक्रिय जुड़ाव के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी पारदर्शी और जवाबदेह शासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। आगामी नगर निगम चुनाव पूरे पंजाब में हमने जो विश्वास और सद्भावना अर्जित की है, उसे दोहराने का एक अवसर है। बैठकें शहरी नगर निगम क्षेत्रों में आम आदमी पार्टी की उपस्थिति को मजबूत करने के लिए रणनीति तैयार करने पर केंद्रित थीं। जमीनी स्तर पर अभियान सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तर के नेताओं से प्रतिक्रिया मांगी गई। अमन अरोड़ा ने घोषणा की कि पार्टी जल्द ही नगर पार्षद उम्मीदवारों के लिए आवेदन स्वीकार करना शुरू कर देगी। चयन प्रक्रिया में योग्यता, सत्यनिष्ठा और लोगों की प्रभावी ढंग से सेवा करने की क्षमता को प्राथमिकता दी जाएगी।

बैठकों में भाग लेने वाले प्रमुख नेताओं में स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. रवजोत सिंह, मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ, डॉ. बलबीर सिंह, मोहिंदर भगत, बरिंदर गोयल, हरदीप सिंह मुंडियां और तरूणप्रीत सिंह सोंध विशेष तौर पर शामिल हुए।

एएसआई के लिए रिश्वत लेते हुए व्यक्ति को विजिलेंस ब्यूरो ने पकड़ा

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ जारी अभियान के दौरान आज एक व्यक्ति, मदन लाल शर्मा, निवासी गांव बघौरा, जिला पटियाला को पुलिस कर्मचारी के लिए 10,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। राज्य विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी को पटियाला जिले के गांव बलहेड़ी निवासी दिलबाग सिंह द्वारा दर्ज करवाई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। प्रवक्ता ने आगे बताया कि शिकायतकर्ता ने विजिलेंस ब्यूरो से संपर्क कर कहा कि उसका गांव के ही गुरुद्वारा साहिब में ग्रंथि गुरनायब सिंह के साथ मौखिक विवाद हुआ था। इस पर ग्रंथि ने उसके खिलाफ थाना घनौर में शिकायत दर्ज करवाई। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उक्त थाने में तैनात एएसआई स्वर्ण सिंह मामले में उसका पक्ष लेने के लिए उस पर 10,000 रुपये रिश्वत देने का दबाव डाल रहा है और उसको कह रहा है कि अगर उसने रिश्वत नहीं दी, तो उसके खिलाफ केस दर्ज कर दिया जाएगा। शिकायत के अनुसार, आरोपी ए.एस.आई. ने शिकायतकर्ता को कहा कि यह राशि उसके परिचित मदन लाल को देने के लिए कहा था।

प्रवक्ता ने आगे बताया कि शिकायत की प्रारंभिक जांच के बाद विजिलेंस ब्यूरो की टीम ने जाल बिछाया। इस दौरान आरोपी मदन लाल को ए.एस.आई. स्वर्ण सिंह की ओर से शिकायतकर्ता से 10,000 रुपये रिश्वत लेते हुए दो सरकारी गवाहों की उपस्थिति में रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया।

गौरतलब है कि आरोपी ए.एस.आई. स्वर्ण सिंह अपनी गिरफ्तारी से बचकर फरार हो गया है। विजिलेंस ब्यूरो के थाना पटियाला रेंज में दोनों आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार-रोधी कानून के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

चौथी बार मुख्यमंत्री बने हेमंत सोरेन

अपनी अगली पारी से पहले सोरेन ने अपने पिता और पार्टी संस्थापक शिबू सोरेन से लिया आशीर्वाद

रांची. झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) नेता हेमंत सोरेन ने गुरुवार को रांची में झारखंड के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सोरेनी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में सोरेन का यह चौथा कार्यकाल है। सोरेन ने झारखंड के मुख्यमंत्री के रूप में अपनी अगली पारी से पहले अपने पिता और पार्टी संस्थापक शिबू सोरेन से आशीर्वाद लिया। झारखंड के मुख्यमंत्री के शपथ समारोह में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, विपक्ष के नेता राहुल गांधी, बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, राजद नेता तेजस्वी यादव, कांग्रेस नेता तारिक अनवर, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, निर्दलीय

सांसद पप्पू यादव सहित विपक्ष के कई शीर्ष नेता शामिल हुए। झारखंड के 14वें सीएम के रूप में हेमंत सोरेन के शपथ लेने के बाद उनकी बहन और जेएमएम नेता अंजनी सोरेन का कहना है कि आज पूरा झारखंड खुश है। हमें पहले से ही यह उम्मीद थी कि हम पूर्ण बहुमत से जीतेंगे।

सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु दर कम करने के लिए व्यापक अभियान की शुरुआत

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब के परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने राज्य में सड़क सुरक्षा बढ़ाने के लिए एक बहु-आयामी रणनीति तैयार की। उन्होंने यातायात उल्लंघनों के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति अपनाने पर ज़ोर दिया और कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। पंजाब भवन में आयोजित पंजाब राज्य सड़क सुरक्षा परिषद (पीएसआरएससी) की 15वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए भुल्लर ने विभागीय कार्यों की निगरानी के लिए अनिवार्य मासिक समीक्षा बैठकें आयोजित करने की घोषणा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि लक्ष्यों को पूरा करने में विफल विभागों के खिलाफ सख्त प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। कैबिनेट मंत्री ने विभिन्न विभागों की कार्यवाही रिपोर्ट पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि यदि मासिक बैठक के दौरान किसी विभाग की कार्यवाही रिपोर्ट में कोई कमी पाई जाती है और विभाग निर्धारित लक्ष्यों को पूरा नहीं करता है तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

प्रियंका गांधी ने सांसद के रूप में ली शपथ

नई दिल्ली. केरल के वायनाड से जीतने वाली कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को लोकसभा सांसद के रूप में शपथ ली और केरल कसावु साड़ी पहनी, जो मलयाली उत्सवों में आम तौर पर सुनहरे बॉर्डर वाली एक प्रमुख ऑफ-व्हाइट साड़ी होती है। उनकी पोशाक वायनाड में सक्रिय रूप से काम करने का एक सूक्ष्म संकेत लग रही थी।

हाथ में संविधान की किताब लिए 52 वर्षीय प्रियंका गांधी वाड्रा ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और संसद में बैठे सांसदों की मौजूदगी में शपथ ली। उनके पति रॉबर्ट वाड्रा और उनके बच्चे, और कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे निचले सदन की गैलरी में मौजूद थे।

प्रियंका गांधी वाड्रा के लोकसभा में प्रवेश के साथ, संसद में अब दशकों में पहली बार गांधी परिवार के तीन सदस्य हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा और राहुल गांधी जहां लोकसभा में बैठेंगे, वहीं उनकी मां सोनिया गांधी 2024 के लोकसभा चुनावों में रायबरेली से चुनाव नहीं लड़ने का विकल्प चुनने के बाद राज्यसभा में हैं। वायनाड

और रायबरेली दोनों से जीतने वाले राहुल गांधी ने अपने पारिवारिक गढ़ को बरकरार रखने का फैसला किया और वायनाड को खाली कर दिया, जिसके बाद प्रियंका गांधी वाड्रा को वहां से मैदान में उतारा गया। उन्हें 6.22 लाख वोट मिले और उन्होंने अपने निकटतम सीपीएम प्रतिद्वंद्वी सत्यन मोकेरी को चार लाख से अधिक वोटों से हराया, जो 2024 के चुनावों में राहुल गांधी को मिले वोटों से अधिक है।

राष्ट्रपति ने रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन के छात्र अधिकारियों को किया संबोधित

• **जालंधर ब्रीज.** चेन्नई

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने तमिलनाडु के वेलिंगटन स्थित रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज के छात्र अधिकारियों और शिक्षकों को संबोधित किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज ने भारत और मित्र देशों के सशस्त्र बलों के संभावित अग्रणी व्यक्तियों और चयनित नागरिक अधिकारियों को प्रशिक्षित करने और शिक्षित करने में सराहनीय योगदान दिया है। पिछले सात दशकों में इसने मध्यम स्तर के अधिकारियों को पेशेवर रूप से तैयार करने में प्रमुख भूमिका निभाई है। इसे छात्र अधिकारियों के एक संयुक्त बहु-सेवा व बहु-राष्ट्रीय समूह और पेशेवर रूप से समृद्ध संकाय होने का अनूठा गौरव प्राप्त है।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों का सभी लोग सम्मान करते हैं। वे हमारे देश की सीमाओं और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने में सबसे आगे हैं। हमारे राष्ट्रीय हितों की निरंतर रक्षा करने के लिए राष्ट्र को हमारे रक्षा बलों पर गर्व है। हमारे रक्षाकर्मी, जो हमेशा राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ सेवा करते हैं, उच्च प्रशंसा के पात्र हैं।

पंजाब में नशे की समस्या पर राज्यसभा में गूंज

सांसद राघव चड्ढा ने सरकार के कदमों को बताया नाकाफी, उठाए गंभीर सवाल

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

'भारत का अन्नदाता' नाम से मशहूर पंजाब आज नशे की समस्या से जूझ रहा है। इस मुद्दे ने केवल राज्य की युवा पीढ़ी को ही नहीं, बल्कि पूरे समाज को प्रभावित किया है। इसी गंभीर समस्या को लेकर आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने राज्यसभा में केंद्र सरकार से कुछ बेहद अहम सवाल पूछे। उन्होंने पंजाब में हाल ही में नशे के कारण हुई मौतों और राज्य के युवाओं पर इसके दुष्प्रभावों पर गहरी चिंता व्यक्त की। चड्ढा ने इस मुद्दे को राष्ट्रीय प्राथमिकता के तौर पर देखते हुए सरकार से ठोस और प्रभावी कदम उठाने की अपील की।

राघव चड्ढा ने राज्यसभा में पंजाब के नशे की समस्या पर सवाल उठाए और सरकार से जवाब मांगा कि पंजाब में नशे से हुई हालिया मौतों के बाद केंद्र सरकार ने क्या कदम उठाए हैं। उन्होंने यह भी पूछा कि पंजाब में एनसीबी (नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो) के नए कार्यालयों के खोलने की योजना कब तक पूरी होगी और क्या केंद्र और राज्य पुलिस के बीच समन्वय बढ़ाने के लिए कोई ठोस कदम उठाए गए हैं। इसके अलावा, उन्होंने यह भी पूछा कि सरकार ने पंजाब में नशे के प्रभाव का अध्ययन किया है और इसके परिणामस्वरूप युवाओं पर क्या असर पड़ा है।

गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने राघव चड्ढा के सवालों का जवाब दिया, लेकिन उनके ज्यादातर जवाब सतही थे। केंद्र ने पंजाब में नशे के खिलाफ कुछ कदमों की जानकारी दी, जैसे एनसीबी कार्यालयों का विस्तार, एंटी-नार्कोटिक्स टास्क फोर्स और विशेष टास्क फोर्स का गठन। लेकिन इस बात का कोई ठोस जवाब नहीं दिया कि इन उपायों से नशे की तस्करी पर कितना काबू पाया गया है। वहीं, नशे से हालिया हुई मौतों पर सरकार की तरफ से क्या कदम उठाए गए, इसकी कोई जानकारी साझा नहीं की गई। सरकार ने यह भी कहा कि डार्कनेट और क्रिप्टोकरेंसी पर निगरानी के लिए एक विशेष टास्क फोर्स बनाई गई है, लेकिन क्या ये उपाय नशे के संकट को वास्तविक रूप से रोक पाएंगे, यह स्पष्ट नहीं था।

सांसद राघव चड्ढा ने कहा कि सरकार के जवाब से यह साफ प्रतीत होता है कि पंजाब में नशे की समस्या को लेकर केंद्र सरकार का नजरिया अपर्याप्त और टालमटोल वाला है। नशे की तस्करी पर काबू पाने के लिए एजेंसियों को अधिक शक्तियां देने और नए टास्क फोर्स बनाने की घोषणाएं तो की गईं, लेकिन यह सब केवल कागजी बयानबाजी तक ही सीमित रह गया। सरकार ने पंजाब के संदर्भ में किए गए सर्वेक्षण के आंकड़ों को साझा किया, लेकिन क्या इन आंकड़ों के आधार पर कोई ठोस योजना बनाई गई है, यह सवालों का जवाब देना अभी भी बाकी है।

राघव चड्ढा ने नशे के खिलाफ लड़ाई को केवल कानून व्यवस्था का नहीं, बल्कि एक सामाजिक समस्या के रूप में बताया। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि नशे के खिलाफ लड़ाई को कागजी कार्रवाई और आंकड़ों तक सीमित नहीं रखा जाए, बल्कि एक राष्ट्रीय मिशन की तरह इसे पूरे समाज की जिम्मेदारी के रूप

में लिया जाए। उन्होंने कहा, "नशा केवल एक व्यक्ति या परिवार को नहीं, बल्कि पूरे समाज को नुकसान पहुंचाता है। हमें इसे रोकने के लिए सामाजिक, कानूनी और प्रशासनिक स्तर पर समर्पित प्रयास करने होंगे।"

उन्होंने सरकार से अपील करते हुए कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई को प्राथमिकता दी जाए और इसे केवल आंकड़ों तक सीमित न रखा जाए। उन्होंने आगे कहा कि हर दिन पंजाब में नशे के कारण किसी का घर उजड़ रहा है। यह समस्या किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे समाज की है। हमें मिलकर इसे खत्म करना होगा।

लक्षद्वीप टूर इस तरह करें प्लान, कुल इतना होगा खर्च, ट्रिप हमेशा रहेगा याद

POSITIVE ENERGY

खूबसूरती के लिहाज से लक्षद्वीप मालदीव और बाली जैसी जगहों को टक्कर दे रहा है। अगर आप भी यहां जाने का सोच रहे हैं तो जानिए टूर कैसे प्लान कर सकते हैं और ट्रिप में कुल कितना खर्च होगा।

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

लक्षद्वीप एक ऐसी डेस्टिनेशन बन गई है जहां अब ज्यादातर लोग जाने की प्लानिंग करते हैं। ये कहना गलत नहीं होगा कि लक्षद्वीप खूबसूरती के मामले में मालदीव, बाली जैसी जगहों को टक्कर दे सकती है। इस जगह पर आप अपने दोस्तों या परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिता सकते हैं। आप चाहें तो हनीमून के लिए भी इस जगह को चुन सकते हैं। लक्षद्वीप की सुंदरता को करीब से देखना चाहते है तो यहां की ट्रिप प्लान करें। जानिए आप किस तरह टूर प्लान कर सकते हैं और यहां जाने में कितना खर्च आएगा।

4 दिन का लक्षद्वीप टूर

पहले दिन- लक्षद्वीप पहुंचे

लक्षद्वीप पहुंचने के बाद अपने होटल में चेक इन करें और फिर आराम करें। कुछ देर रिलेक्स करने के बाद बीच, कोरल गार्डन और समुद्री जीवन का आनंद लें और बीच पर डिनर का मजा लें।

दूसरे दिन- बंगाराम

द्वीप को एक्सप्लोर करें, समुद्री किनारों पर रिलेक्स करें और बोटिंग का आनंद लें। इस दौरान आप यहां के लोकर खाने का मजा भी ले सकते हैं।

तीसरे दिन- कावारत्ती

उजरा मस्जिद और कावारत्ती एक्वेरियम को देखने जाएं। फिर वॉटर एक्टिविटीज या बीच का मजा लें।

चौथे दिन- अगाती

कयाकिंग या विंडसर्फिंग जैसे वॉटर स्पोर्ट्स का मजा लें। द्वीप को एक्सप्लोप करें और लोकल चीजों की खरीदारी करें।

कितना आएगा खर्च

अगर आप लक्षद्वीप की ट्रिप बुक करना चाह रहे हैं तो पहले खर्च के बारे में जान लें। लक्षद्वीप की बजट यात्रा की लागत प्रति व्यक्ति लगभग 20,000–30,000 रुपये हो सकती है, जबकि एक लक्जरी यात्रा की लागत प्रति व्यक्ति 50,000 रुपये से ज्यादा हो सकती है। जिसमें ट्रैवल शामिल नहीं है। लक्षद्वीप जाने के लिए कई एयरलाइन कंपनियां सीधी फ्लाइट सुविधा देती हैं। दिल्ली से लक्षद्वीप की फ्लाइट का किराया करीब 10 हजार रुपए एक तरफ से शुरू होता है। लक्षद्वीप के लिए शिप का किराया लगभग 4 से 8 हजार रुपये है। ध्यान रखें सीजन के मुताबिक बताए गए खर्चे के आंकड़ों में फर्क हो सकता है।

KNOWLEDGE

फोन चार्ज करते हुए कहीं आप भी तो नहीं कर रहे ये 6 गलतियां, एक्सपर्ट से जानें कैसे बढ़ाएं बैटरी लाइफ

फोन में आपकी जान बसती है, पर क्या उस मुताबिक आप अपने फोन की देखभाल करती हैं? फोन चार्जिंग से जुड़ी किन बातों का रखें ध्यान ताकि फोन दे लंबा साथ, बता रही हैं एक्सपर्ट...

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

हम सब जानते हैं कि जीवनशैली से जुड़ी छोटी-से-छोटी बातें भी हमारी सेहत पर गहरा असर छोड़ती हैं। पर, क्या आप अपने स्मार्टफोन की सेहत का ध्यान रखती हैं? वह स्मार्टफोन जिस पर आपकी निर्भरता इतनी ज्यादा बढ़ चुकी है। घर का छोटा बच्चा हो या फिर बुजुर्ग, कामकाजी हों या फिर हाउसवाइफ... आज अधिकांश लोगों के लिए स्मार्टफोन के बिना रह पाना संभव नहीं है। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि आप अपने स्मार्टफोन की सेहत का भी ध्यान रखें ताकि वह लंबे समय तक आपका साथ दे सके। स्मार्टफोन के देखभाल और इस्तेमाल में जरा-सी सतर्कता बरतकर आप उसकी औसत उम्र में इजाफा कर सकती हैं।

स्मार्टफोन की सही देखभाल की दिशा में आपके द्वारा उठाया गया पहला और सबसे जरूरी कदम होगा, उसे सही तरीके से चार्ज करना ताकि बार-बार स्मार्टफोन को चार्ज करने के झंझट से आपको मुक्ति मिल सके। आखिर, हर जगह अपने साथ फोन का चार्जर लेकर जाना भला किसे पसंद होता है? अगर आप भी एक बार अपने फोन को चार्ज करने के बाद घंटों तक निश्चिंत रहना पसंद करती हैं, तो फोन को चार्ज करते वक्त कुछ बातों को हमेशा ध्यान में रखें। इनसे न सिर्फ बार-बार फोन को चार्ज करने के झंझट से मुक्ति मिलेगी बल्कि स्मार्टफोन कई सालों तक आपका साथ भी देगा।

फोन ऑफ होने का न करें इंतजार : कई लोगों की आदत होती है कि वो अपने फोन को तब तक चार्जिंग में नहीं लगाते हैं, जब तक कि वो ऑफ होने की कगार पर नहीं पहुंच जाता है। अगर आप भी ऐसा ही करती हैं, तो अपनी इस आदत को बदल डालिए। ऐसा करने से फोन के पूरे सिस्टम पर बहुत ज्यादा दबाव पड़ता है और लंबे समय तक ऐसा करना फोन को जल्दी खराब कर सकता है। बेहतर होगा कि जब फोन की बैट्री 25 से 30 प्रतिशत तक पहुंच जाए तो आप उसे चार्ज कर लें।

जरूरी नहीं फोन को पूरा चार्ज करना : अपने फोन को 100 प्रतिशत चार्ज करने के बाद क्या आपको भी ऐसा लगता है कि आपने कोई किला फतह कर लिया? पर, हर दिन फोन को पूरा चार्ज करना फोन की सेहत के लिए ठीक नहीं है। आप चाहती हैं कि फोन की बैट्री जल्दी खराब न हो, तो उसे हर दिन 80 से 90 प्रतिशत तक चार्ज करें और जब इस्तेमाल के बाद फोन की बैट्री लगभग 30 प्रतिशत तक पहुंच जाए तो उसे दोबारा से चार्जिंग में लगा दें। फोन की चार्जिंग का यह चक्र फोन की अच्छी सेहत के लिए बेहतर रहता है।

चार्जिंग के वक्त न करें इस्तेमाल : फोन को चार्जिंग में लगाकर उस वक्त फोन से काम करने की गलती हम सब करते हैं। पर, इसका फोन की सेहत पर नकारात्मक असर पड़ सकता है क्योंकि फोन पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। साथ ही चार्जिंग के दौरान फोन पर बात करने या किसी और काम के लिए उसका इस्तेमाल करने फोन से जुड़े एक्सीडेंट होने का खतरा भी रहता है। कई दफा ऐसा करने से फोन में ब्लास्ट भी हो जाता है। बेहतर होगा कि अगर कोई जरूरी काम हो, तो पहले चार्जर को ऑफ करें और फिर फोन का इस्तेमाल करें।

ठीक नहीं, रात भर चार्जिंग : हम में अधिकांश लोग रात में सोने से पहले फोन को चार्जिंग में लगाकर छोड़ देते हैं। अपने फोन के साथ आप जो सबसे बुरी चीज कर सकती हैं, वह यही है। रात भर चार्जिंग पर लगा रहने से फोन गर्म हो जाता है। इससे फोन को बहुत ज्यादा नुकसान पहुंचता है।

चार्जर हो ऑरिजनल : सामने जो चार्जर मिला, उसी से फोन को चार्ज कर लिया। अगर आपकी आदत भी ऐस है, तो तय मानिए आपका स्मार्टफोन भी जल्दी-जल्दी खराब होता होगा। फोन को चार्ज करने के लिए हमेशा ऑरिजनल चार्जर यानी जिस ब्रांड का आपका फोन है, उसी ब्रांड का चार्जर इस्तेमाल करें। सस्ते मोबाइल चार्जर आसानी से उपलब्ध तो होते हैं, पर उनसे फोन को चार्ज होने में ज्यादा वक्त लगता है। साथ ही वे फोन की बैट्री पर नकारात्मक असर भी डालते हैं।

ये भी रखें ध्यान : स्क्रीन फोन का सबसे नाजुक हिस्सा होता है। ऐसे में जरा-सी लापरवाही से फोन स्क्रीन को नुकसान हो सकता है। स्क्रीन को धूल और पानी से बचाकर रखें और समय-समय पर इसे नरम कपड़े से साफ करें। आप स्क्रैच से बचाने के लिए स्क्रीन प्रोटेक्टर का उपयोग कर सकती हैं।

डिस्क्लेमर : *यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।*

बनाते समय नहीं टूटेगी मक्की के आटे की रोटी, आसान किचन टिप्स

अगर आपको भी मक्के के आटे से रोटी बनाना मुश्किल काम लगता है तो अब इस टेंशन को मन से निकाल दीजिए। जी हां, आज के किचन टिप्स एंड ट्रिक में आपको बताने वाले हैं बिना किसी झंझट आसानी से कुछ टिप्स को फॉलो करके कैसे बना सकते हैं मक्के की रोटी...

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

सर्दियों के मौसम में सरसों के साग के साथ मक्के की रोटी खाने का एक अलग ही मजा होता है। मक्के की तासीर गर्म होने की वजह से यह ठंड में शरीर को गर्म रखने के साथ सेहत को कई गजब के फायदे भी देता है।

हालांकि कई बार महिलाएं मक्के की रोटी को घर पर बनाने से सिर्फ इसलिए परहेज करती हैं क्योंकि वह उनसे बेलते समय टूटकर खराब हो जाती है। अगर आपको भी मक्के के आटे से रोटी बनाना मुश्किल काम लगता है तो अब इस टेंशन को मन से निकाल दीजिए। जी हां, आज के किचन टिप्स एंड ट्रिक में आपको बताने वाले हैं बिना किसी झंझट आसानी से कुछ टिप्स को फॉलो करके कैसे बना सकते हैं मक्के की रोटी।

मक्के की रोटी बनाने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

- मक्के की रोटी को बेलते समय टूटने से बचाने के लिए जब भी आप मक्के की रोटी बनाएं तो आटा गूंथते समय उसमें आधा कप गेहूं का आटा भी मिक्स कर दें
- मक्की का आटा गूंथने के लिए दो कप मक्के के आटा में आधा कप गेहूं का आटा मिलाएं। ध्यान रखें, आटे की इससे ज्यादा और कम मात्रा मक्के की रोटी का स्वाद खराब कर सकती है।
- मक्की का आटा गूंथने के लिए ठंडा पानी यूज न करें। गर्म पानी से मक्की का आटा गूंथने के बाद उसे थोड़ी देर रेस्ट जरूर करने दें। इसके बाद रोटी बेलते समय सूखे आटे के लिए थोड़ा सा गेहूं का आटा यूज करें। इस टिप को फॉलो करने से रोटी बेलते समय टूटेगी नहीं।
- रोटियां बेलने में परेशानी होती है तो एक मोटी पॉलीथिन का यूज करें। मोटी पॉलीथिन के बीच में मक्के के आटे की लोई रखकर उसे हल्के हाथों से बेलें। इस टिप को फॉलो करने से रोटियां आसानी से बेली जाएंगी।
- रोटियां सेंकने के लिए तवे को तेज आंच पर नहीं बल्कि मध्यम आंच पर रखें। मक्के से बनी रोटियां आकार में थोड़ी मोटी होती हैं। ऐसे में इन्हें मीडियम आंच पर अच्छी तरह से पकाना चाहिए।

कहीं आपके बच्चे में तो नहीं आ गई असुरक्षा की भावना, रखें इन बातों का ध्यान

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

सीमाएं निर्धारित कीजिए

हर बच्चा माता-पिता के लिए हमेशा बच्चा ही रहता है। पर, उसे बच्चा समझने की गलती मत कीजिए और अपनी सीमाओं को जांचती रहिए। उसकी सुरक्षा और स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाना बेहद जरूरी है। आपको समझना होगा कि बच्चों को जरूरत से ज्यादा सुरक्षा देना उनकी तनाव प्रबंधन की क्षमता को कम करने का काम करेगा। साथ ही उनकी आप पर निर्भरता को बढ़ा देगा। उन्हें चुनौतियों का सामना करने दें। उन्हें अपने अनुभवों से सीखने का मौका जरूर दें। जरूरत पड़ने पर आप सलाहकार की भूमिका में रह सकती है।

गलतियों से सीखने दें

वो कहते हैं न असफलता, सफलता की सीढ़ी होती है। तो, अपने बच्चे को भी वह सीढ़ी चढ़ने का मौका जरूर दीजिए। उन्हें गलतियां करने और उनसे सीखने की आजादी दीजिए। पर, हां उन्हें इस बात का अहसास कराती रहिए कि आप उनकी मदद के लिए हमेशा मौजूद हैं और आपको उन पर भरोसा है। पर जिंदगी की जंग के लिए उन्हें खुद से तैयार होना होगा।

रिश्तों को दें महत्व

परिवार से हमें प्यार, अपनापन, जुड़ाव, सुरक्षा मिलती है। परिवार की वजह से हम अकेला महसूस नहीं करते। रिश्तों को मजबूत बनाए रखने के लिए एक साथ समय बिताइए। त्योहारों को एकजुट होकर मनाइए। अपने बच्चों को दूसरों की रुचियों में दिलचस्पी लेना सिखाइए। एक-दूसरे को प्राथमिकता देना भी सिखाना होगा।

साथी के साथ अपना रिश्ता बनाएं सुखद

माता-पिता का आपसी रिश्ता बच्चों पर गहरा प्रभाव डालता है। लिहाजा, बच्चे की नजरों में माता-पिता के रिश्ते का अच्छा होना और भी जरूरी हो जाता है। कई बार गुस्से में बच्चों के सामने बहस हो जाती है और कुछ देर बाद अहसास होता है कि ऐसा नहीं होना चाहिए था। ऐसे में आपको अहसज होने की जरूरत नहीं है। यह भी उनके लिए एक सबक साबित हो सकता है। उन्हें यह भी समझना होगा कि संघर्ष भी एक सामान्य मानवीय भावना है। संघर्ष से बचने के बजाय, उन्हें दिखाएं कि संघर्ष को सम्मानपूर्वक कैसे खत्म किया जाए। उन्हें अपनी भावना सामने रखने का महत्व सिखाएं और हर समय खुश रहने के मिथक को दूर करें।

डिस्क्लेमर : *यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।*

रजाई या कंबल में मुंह ढककर सोने वाले आज ही छोड़ दें ये आदत, सेहत को हो सकते हैं ये नुकसान

HEALTH

अगर आपको भी सर्दियों के मौसम में रजाई में मुंह ढककर सोने की आदत है तो आज ही बदल दें क्योंकि ये आपकी सेहत के लिए काफी नुकसानदायक भी हो सकता है।

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

सर्दियों के मौसम में कड़ाके की ठंड से बचने के लिए रजाई और कंबल के अंदर दुबककर सोने में जो मजा है, वो शायद ही किसी और चीज में मिले। लेकिन यही मजा कहीं आपके लिए सजा न बन जाए। दरअसल कुछ लोगों की आदत होती है कि वो ठंड से बचने के लिए रजाई या कंबल के अंदर अपने मुंह को भी पूरी तरह से ढक लेते हैं। इससे ठंड से तो राहत मिल जाती है लेकिन हेल्थ के लिहाज से ये आदत काफी नुकसानदायक है। रजाई के अंदर मुंह ढककर सोने से सेहत पर इसका काफी बुरा असर पड़ सकता है। चलिए जानते हैं रजाई के अंदर मुंह ढककर सोने के क्या नुकसान हो सकते हैं।

स्किन के लिए है नुकसानदायक

सर्दियों में जब आप रजाई से मुंह ढककर सोते हैं तो ऑक्सीजन रजाई के अंदर नहीं आ पाती और ना ही अशुद्ध हवाएं रजाई से बाहर जा पाती है। अशुद्ध हवा में सांस लेने से आपकी स्किन की रंगत फीकी पड़ सकती है। साथ ही इससे त्वचा पर झुर्रियां भी पड़ सकती हैं। इसके अलावा

सर्दियों में मुंह ढककर सोने से व्यक्ति के शरीर का ब्लड सर्कुलेशन भी अच्छी तरह नहीं हो पाता है, जिसकी वजह से चेहरे पर पिंपल्स और एक्ने की भी प्रॉब्लम हो सकती है।

फेफड़ों के लिए नुकसानदायक

रजाई के अंदर मुंह ढककर सोने का खामियाजा आपके फेफड़े को भुगतना पड़ सकता है। दरअसल रजाई के अंदर मुंह ढककर सोने से फेफड़े यानी लंग्स में एयर प्रॉपर तरीके से एक्सचेंज नहीं हो पाती है, जिसकी वजह से इसमें सिकुड़न आने लगती है। इससे अस्थमा, डिमेंशिया या सिरदर्द की प्रॉब्लम बढ़ सकती है। वहीं जिन लोगों को ऑलरेडी अस्थमा की प्रॉब्लम है, उन्हें तो भूलकर भी रजाई के अंदर मुंह ढककर नहीं सोना चाहिए।

बढ़ता है हार्ट अटैक का खतरा

जो लोग रजाई के अंदर मुंह ढक कर सोते हैं, उनके लिए हार्ट अटैक का खतरा बढ़ सकता है। दरअसल रजाई के अंदर मुंह ढककर सोने से शरीर को प्रॉपर ऑक्सीजन नहीं मिल पाती है, जिसका सीधा असर हार्ट पर पड़ता है। ऐसी सिचुएशन में हार्ट अटैक के साथ दम घुटने का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा रजाई के अंदर मुंह ढककर सोने से चक्कर या मितली आने की संभावना भी बढ़ जाती है।

ब्लड सर्कुलेशन होता है प्रभावित

रजाई के अंदर मुंह ढककर सोने का असर ब्लड सर्कुलेशन पर भी पड़ता है। जब कोई व्यक्ति रजाई से को पूरी तरह से कवर करके सोता है तो अंदर पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती, जिससे शरीर अंदर मौजूद ऑक्सीजन का ही बार-बार इस्तेमाल करता है। धीरे-धीरे जब रजाई के अंदर ऑक्सीजन की मात्रा कम होने लगती है तो, इसका सीधा असर ब्लड सर्कुलेशन पर पड़ता है, जिससे शरीर के हर अंग में प्रॉपर मात्रा में ब्लड सर्कुलेट नहीं हो पता।

बढ़ सकता है वजन

रजाई के अंदर मुंह ढककर सोने का इनडायरेक्ट असर शरीर के वजन पर भी पड़ता है। दरअसल मुंह ढककर सोने से शरीर को गर्माहट मिलती है, जिससे कोई भी व्यक्ति बहुत देर तक सो सकता है। जितनी देर हम सोते हैं हमारे शरीर का मेटाबॉलिज्म बहुत ही धीरे वर्क करता है, जिसकी वजह से शरीर का वजन बढ़ सकता है।

नोट : *इस खबर में बताए गए सुझाव सामान्य जानकारी पर आधारित हैं। इसलिए किसी भी उपचार/दवा/डाइट को अमल करने से पहले डाक्टर या संबंधित एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।*

'संविधान दिवस' 2024 के अवसर पर "हमारासंविधान, हमारास्वाभिमान" समारोह

संविधान को अंगीकृत करने की 75वीं वर्षगांठ लोकतंत्र, न्याय और समानता के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता की याद दिलाती है

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

भारत ने 26 नवंबर, 2024 का दिन संविधान को अंगीकृत करने की 75 वीं वर्षगांठ के रूप में मनाया जो अपने आप में ऐतिहासिक है। 26 नवंबर, 1949 के दिन, भारतीय संविधान सभा ने औपचारिक रूप से संविधान को अंगीकृत किया और 26 जनवरी, 1950 को इसे लागू किया गया, जिससे भारत को एक संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में स्थापित हुआ। 2015 में, भारत सरकार ने 1949 में भारतीय संविधान को अंगीकृत किए जाने के सम्मान में औपचारिक रूप से 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में घोषित किया। तब से, प्रत्येक वर्ष इस दिन, राष्ट्र संविधान को अंगीकृत किए जाने का जश्न मनाता है।

75 वर्ष का स्मारक समारोह वर्ष भर चलेगा और गतिविधियां चार स्तंभों पर केंद्रित होंगी: अर्थात संविधान की प्रस्तावना, अपने संविधान को जानें, संविधान का निर्माण और संविधान की महिमा का उत्सव। स्मरणोत्सव कार्यक्रमों का मुख्य समारोह आज यानी 26 नवंबर, 2024 को संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में आयोजित किया गया ।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष, मंत्री, सांसद और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में संविधान दिवस, 2024 के समारोह में शामिल हुए।

समारोह की शुरुआत राष्ट्रगान से हुई और उसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ने स्वागत भाषण दिया। अध्यक्ष ने संविधान निर्माताओं, खास तौर पर डॉ. बी.आर. अंबेडकर की उल्लेखनीय दूरदृष्टि और ऐसा दस्तावेज बनाने के प्रति उनके समर्पण पर प्रकाश डाला, जो सभी नागरिकों के मौलिक अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है, चाहे उनकी पृष्ठभूमि कुछ भी हो। भारतीय संविधान की महिमा को समर्पित एक लघु फिल्म दिखाई गई। इस फिल्म में संविधान के निर्माण, डॉ. बीआर अंबेडकर जैसे प्रमुख व्यक्तियों के योगदान और भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को आकार देने में संविधान की ऐतिहासिक यात्रा को दिखाया गया। इसमें एक विविधतापूर्ण राष्ट्र की आकांक्षाओं को पूरा करने में संविधान की भूमिका और पिछले 75 वर्षों में इसकी निरंतर प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला गया साथ ही प्रमुख संशोधनों और

न्यायिक महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर विचार किया गया।

उपराष्ट्रपति ने अपने संविधान दिवस संबोधन में संविधान के गहन महत्व और भारत की लोकतांत्रिक पहचान को आकार देने में इसकी निरंतर प्रासंगिकता पर जोर दिया। उन्होंने भारत के भविष्य को आकार देने में संविधान सभा की दूरदर्शिता की प्रशंसा की, जिसमें आम सहमति पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों दोनों का पालन करने, राजनीतिक विभाजनों पर राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देने का आह्वान किया और देश से ऊपर धर्म को रखने के खिलाफ चेतावनी दी।

कार्यक्रम के दौरान मंच पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों द्वारा विमोचन इस प्रकार है :

भारत के संविधान को अंगीकृत की 75वीं वर्षगांठ को समर्पित स्मारक सिक्का और डाक टिकट।

"भारतीय संविधान का निर्माण : एक झलक" और "भारतीय संविधान का निर्माण और इसकी गौरवशाली यात्रा" शीर्षक वाली पुस्तकें।

भारतीय संविधान की कला को समर्पित पुस्तिका।

संस्कृत में भारत का संविधान

मैथिली में भारत का संविधान

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारा संविधान एक जीवंत और प्रगतिशील दस्तावेज है, जिसके माध्यम से भारत ने सामाजिक न्याय और समावेशी विकास के लक्ष्यों को प्राप्त किया है। उन्होंने कहा, "हमने संविधान प्रदत्त शक्तियों से सामाजिक न्याय और समावेशी विकास से सम्बंधित कई महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को प्राप्त किया है। एक नए दृष्टिकोण के साथ, हम राष्ट्रों के बीच भारत के लिए एक नई पहचान बना रहे हैं। हमारे संविधान निर्माताओं ने भारत को अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का निर्देश दिया था। आज, एक अग्रणी अर्थव्यवस्था होने के साथ-साथ हमारा देश 'विश्व-बंधु' के रूप में इस भूमिका को बेहतर तरीके निभा रहा है।"

दुनिया भर में फैले सभी भारतीयों ने राष्ट्रपति के साथ मिलकर भारत के संविधान की प्रस्तावना को लाइव पढ़ा। यह सामूहिक गौरव और एकजुटता का क्षण था, जिसने संविधान के आदर्शों को बनाए रखने की साझा जिम्मेदारी को सुदृढ़ किया।

संविधान को अंगीकृत करने की 75वीं वर्षगांठ लोकतंत्र, न्याय और समानता के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता की मार्मिक याद दिलाती है। यह इन मूल मूल्यों की रक्षा करने के साथ ही इनको सुदृढ़ और इनके संवर्धन की सामूहिक जिम्मेदारी को उजागर करता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि संविधान आने वाले वर्षों में देश के विकास और एकता के लिए मार्गदर्शक शक्ति बना रहे।

रेलवे और गतिशक्ति : एक अजेय साझेदारी

एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली ने संयुक्त रूप से 26 शतक लगाकर एक शानदार जोड़ी बनाई थी। जिस तरह क्रिकेट के मैदान पर इन दोनों खिलाड़ियों का दबदबा था, उसी तरह भारतीय रेलवे और पीएम गतिशक्ति-नेशनल मास्टर प्लान (पीएमजीएस-एनएमपी) के बीच की साझेदारी भारत के बुनियादी ढांचे के विकास में मांग के अनुरूप एक परिवर्तनकारी (गेम-चेंजर) भूमिका निभा रही है।

यह परिवर्तनकारी दृष्टिकोण विभिन्न विभागों, मंत्रालयों, राज्यों और केन्द्र-शासित प्रदेशों के बीच मौजूद अवरोधों को तोड़ने की सुविधा प्रदान करता है। गतिशक्ति अब बुनियादी ढांचे की योजना बनाने और निर्णय लेने की आधारशिला है। इसका कार्यान्वयन इस राष्ट्रीय परिवाहक (ट्रांसपोर्टर) के मंडल-स्तरीय निर्माण संगठनों तक फैला हुआ है। इसके माध्यम से, रेलवे ने पीएमजीएस के संचालन के दो प्रमुख तत्वों - संस्थागत ढांचे और भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) के डेटा-आधारित डिजिटल प्लेटफॉर्म को पूरी तरह से आत्मसात कर लिया है। जहां गतिशक्ति गांगुली की कलात्मकता एवं दृढ़ नेतृत्व को प्रदर्शित करती है, वहीं रेलवे, तेंदुलकर की अनुकूलनशीलता की तरह, विविध चुनौतियों का कुशलता से सामना करता है।

जालंधर ब्रीज

ए के खंडेलवाल
(पूर्व सदस्य इंफ्रा रेलवे बोर्ड)

इस एकीकृत दृष्टिकोण ने बुनियादी ढांचा से जुड़े मंत्रालयों और रेलवे ज़ोन के बीच समन्वय को उल्लेखनीय तरीके से बेहतर बनाया है, जिससे परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान करने में तेजी आई है। इस पहल ने परियोजनाओं के सर्वेक्षण को मंजूरी देने में आम तौर पर लगने वाले 4-5 महीनों के समय को घटाकर केवल सात दिन कर दिया है। इससे पूरे रेलवे नेटवर्क की दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2022-23 के दौरान कुल 458 परियोजनाओं के सर्वेक्षणों को मंजूरी दी गई, जबकि पहले यह संख्या लगभग 50 ही थी।

जहां रेलवे ने ऐतिहासिक रूप से अन्य सरकारी एजेंसियों के साथ समन्वय किया है, वहीं पीएमजीएस के माध्यम से उन्नत डिजिटल प्लेटफार्मों एवं वास्तविक समय में निगरानी का लाभ उठाते हुए परिवहन के विभिन्न साधनों के एकीकरण ने भारत के बुनियादी ढांचे के इकोसिस्टम में क्रांति ला दी है। विभिन्न रेलवे जोन, विभागों और क्षेत्रों के बीच बेहतर समन्वय के माध्यम से, पीएमजीएस अब बुनियादी ढांचे से संबंधित समग्र योजना निर्माण एवं कार्यान्वयन का एक आदर्श मॉडल बन गया है।

पीएमजीएस का सबसे व्यापक प्रभाव विभागीय अवरोधों को तोड़ना है। परंपरागत रूप से, सात अलग-अलग विभाग रेलवे के बुनियादी ढांचे के विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर स्वतंत्र रूप से काम करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप अनावश्यक देरी और अक्षमताएं पैदा होती हैं। अंतर-विभागीय संवाद को बढ़ावा देने और डिजिटल प्लेटफार्मों का लाभ उठाने से, परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान करने में तेजी आई है और नौकरशाही से जुड़ी अनावश्यक बाधाएं समाप्त हो गई हैं। पीएमजीएस के कार्यान्वयन से योजना निर्माण में काफी सुधार आया है। गतिशक्ति के आने से पहले जहां प्रत्येक वर्ष मात्र 6-7 परियोजनाएं ही स्वीकृत होती थीं, वहीं वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान जहां 73 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। यह एक वित्तीय वर्ष में अब तक का सर्वाधिक रिकॉर्ड है! कुल 5,309 किलोमीटर की नई लाइन, दोहरीकरण और गेज परिवर्तन की परियोजनाओं के पूरा होने के साथ, परियोजनाओं के अंतिम रूप से कार्यान्वित होने का रिकॉर्ड भी काफी ऊपर पर पहुंच गया। रेल विद्युतीकरण 7,188 रूट किलोमीटर (आरकेएम) के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है और ट्रैक कमीशनिंग की गति 4 किलोमीटर प्रति दिन से बढ़कर 15 किलोमीटर प्रति दिन हो गई है। प्रभावी रूप से, पीएमजीएस-एनएमपी कहां, क्या और कब की विस्तृत मैपिंग के माध्यम से बुनियादी ढांचे की भविष्योन्मुखी योजनाएं बना रहा है। इसमें सामाजिक एवं आर्थिक बुनियादी ढांचे, ट्रंक एवं उपयोगिता नेटवर्क, मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी, पर्यटन स्थल, भूमि राजस्व मानचित्र और वन सीमाओं से जुड़े सटीक एवं व्यापक आंकड़ों का समावेश है। ये जानकारियां परियोजनाओं के योजना निर्माण और कार्यान्वयन की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण हैं।

सभी परियोजनाओं की जांच (एनपीजी) नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप द्वारा की जाती है, जिसमें अतिरेक और निर्माण के बाद केबल/पाइप बिछाने के लिए नई बनी सड़कों को तोड़ने जैसी स्थितियों से बचते हुए समन्वित योजना निर्माण हेतु बुनियादी ढांचा से संबंधित सभी मंत्रालय शामिल हैं।

उदाहरण के लिए, हाउसिंग सोसाएटियां अब निवासियों के आने से पहले सीवेज, बिजली तथा अन्य सुविधाओं से लैस होंगी और कार्रवाई के लिए पहले शिकायतों के आने का इंतजार नहीं किया जाएगा। मांगों के बढ़ने से पहले ही विस्तारित हो रहे उपनगरों के पास स्थित गोदामों (वेयरहाउसिंग) को समय पर सड़क कनेक्टिविटी मिलेगी और विस्तार के दौर से गुजर रहे बंदरगाहों को पर्याप्त रेलवे निकासी और मल्टीमॉडल लिंक का लाभ मिलेगा।

योजना निर्माण की इस कुशल क्षमता को भास्कराचार्य नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्पेस एप्लिकेशन एंड जियो-इंफॉर्मेटिक्स (बीआईएसएजी-एन) द्वारा समर्थित किया गया है, जिसने पीएमजीएस-एनएमपी को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गतिशक्ति की सफलता का एक महत्वपूर्ण पहलू बुनियादी ढांचे की उन प्रमुख परियोजनाओं को प्राथमिकता देने में निहित है, जिनका कनेक्टिविटी, दक्षता और लॉजिस्टिक्स को बेहतर बनाने पर अधिकतम प्रभाव पड़ेगा। रेलवे अब शुरुआती और अंतिम छोर तक की कनेक्टिविटी के लिए आर्थिक केन्द्र, खदानें, बिजली संयंत्र और लॉजिस्टिक्स हब जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान कर सकता है और मांग से पहले माल ढुलाई गलियारे एवं बंदरगाह कनेक्टिविटी परियोजनाओं की योजना बना सकता है। भारत में आर्थिक विकास को गति देने तथा व्यापार करना और अधिक आसान बनाने की क्षमता के आधार पर इस बुनियादी ढांचे को प्राथमिकता दी गई है। कुल 16 रेलवे ज़ोन के सभी 68 मंडलों के बीच बेहतर सहयोग के माध्यम से होने वाला सुधार स्पष्ट दिखाई देता है। गतिशक्ति के आने से पहले, प्रत्येक रेलवे जोन व विभाग एक हद तक अलग-थलग रूप से संचालित होते थे। इससे देरी, अक्षमताएं और समन्वय की कमी की समस्याएं पैदा होती थीं। पीएमजीएस-एनएमपी के माध्यम से डिजिटल इंटरफेस की शुरूआत ने क्रॉस-जोन सहयोग का एक एकीकृत मंच प्रदान किया, जिससे समस्याओं का त्वरित समाधान और परियोजनाओं का सुचारू कार्यान्वन का संभव हुआ। हालांकि मैं पीएमजीएस और भारतीय रेलवे, दोनों को सचेत करना चाहूंगा। जहां सचिन और सौरव ने क्रिकेट के मैदान पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, वहीं राजनीतिक क्षेत्र में उन्हें चुनौतियों का सामना करना पड़ा। वैसे ही, पीएमजीएस की शक्ति और रेलवे के दृढ़ संकल्प को वैसी राजनीतिक परियोजनाओं से कमजोर नहीं पड़ने दिया जाना चाहिए जिनमें दीर्घकालिक लाभ का अभाव हो, क्योंकि भारत जल्द ही अपनी आजादी के सौ वर्ष पूरा करने वाला है।

पीएम मोदी ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता गठबंधन (ICA) के अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन - 2024 का उद्घाटन किया

• प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 का शुभारंभ और स्मारक डाक टिकट भी जारी किया • संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में मनाने का फैसला दुनिया भर के करोड़ों गरीबों व किसानों के लिए आशीर्वाद सिद्ध होगा • मोदी जी ने 'सहकार से समृद्धि' के संकल्प के माध्यम से लाखों गांवों, करोड़ों महिलाओं और किसानों की समृधि का रास्ता खोला • आज़ादी के 75 साल बाद भारत के सहकारिता आंदोलन का पुनर्जन्म हुआ है और इसमें एक नया जोश आया है • 3 साल बाद भारत में एक भी गांव ऐसा नहीं रहेगा जहां सहकारी संस्था न हो • 'अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष' में नई सहकारी नीति लाकर मोदी सरकार भारत के सहकारी आंदोलन को नई दिशा देने का काम करेगी • राष्ट्रीय स्तर पर बनी 3 नई सहकारी समितियों के माध्यम से भारत का किसान न सिर्फ देश बल्कि पूरी दुनिया के बाज़ार तक पहुंचेगा • जल्द ही सहकारिता विश्वविद्यालय बनेगा, जिसके माध्यम से प्रशिक्षित और तकनीक से युक्त मानव संसाधन का निर्माण होगा

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने आज नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता गठबंधन (ICA) के अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन - 2024 का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 का शुभारंभ और स्मारक डाक टिकट भी जारी किया। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, भूटान के प्रधानमंत्री, फ़िजी के उप-प्रधानमंत्री, अध्यक्ष, ICA और सचिव, सहकारिता मंत्रालय सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इस अवसर पर अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में मनाने का फैसला दुनिया भर के करोड़ों गरीबों और किसानों के लिए आशीर्वाद सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2024 का उद्घाटन और ICA के अतंर्राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन का भारत में आयोजन स्वागत योग्य है।

अमित शाह ने कहा कि तीन साल पहले ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने 'सहकार से समृद्धि' के संकल्प के माध्यम से लाखों गांवों, करोड़ों महिलाओं और किसानों की समृधि का रास्ता खोला। उन्होंने कहा कि तीन साल में भारत के सहकारिता क्षेत्र में कई नई गतिविधियां हुई हैं और आज़ादी के 75 साल बाद भारत के सहकारिता आंदोलन का पुनर्जन्म हुआ है और इसमें एक नया जोश आया है।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि 2 लाख नई प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (PACS) के माध्यम से 3 साल बाद भारत में एक भी गांव ऐसा नहीं रहेगा जहां कोई सहकारी संस्था न हो। उन्होंने कहा कि PACS को आधुनिक, तकनीकयुक्त बनाने और आर्थिक रूप से viable बनाने के लिए भी कई फैसले किए गए हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर बनाई गई तीन नई सहकारी कोऑपरेटिव्स के माध्यम से भारत का किसान न सिर्फ देश बल्कि पूरी दुनिया के बाज़ार तक अपनी पहुंच को बढ़ा सकेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (NCEL), भारतीय राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (NCOL) और भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (BBSSL) आने वाले दिनों में किसानों की सहभागिता दुनिया के व्यापार में तो बढ़ाएंगी ही, साथ ही पूरी दुनिया की सहकारी संस्थाओं को प्रेरणा देने का काम भी करेगी कि किस प्रकार से छोटा सा किसान पूरी दुनिया के बाज़ारों तक पहुंच सकता है। शाह ने कहा कि IFFCO, KRIBHCO और अमूल ने सहकारिता के क्षेत्र में पूरी दुनिया में उदाहरण पेश किया है और इसी प्रकार ये तीनों कोऑपरेटिव्स भी दुनिया के सहकारिता क्षेत्र में काम करने वाले लोगों का मार्गदर्शन करेंगी।

अमित शाह ने कहा कि तीन साल पहले नए सहकारिता मंत्रालय के गठन के बाद सहकारिता क्षेत्र के पूरे कानूनी ढांचे का सुदृढ़ीकरण हुआ है, श्वेत क्रांति 2.0 और नीली क्रांति की शुरुआत भी हुई है जिसमें सहकारिता का रोल बहुत अहम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सहकारिता के समग्र विकास के लिए पिछले तीन साल में आमूलचूल परिवर्तन हुए हैं। शाह ने कहा कि आने वाले दिनों में हम सहकारिता विश्वविद्यालय भी बनाने जा रहे हैं, जिसके माध्यम से प्रशिक्षित और तकनीक से युक्त मानव संसाधन का निर्माण होगा। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष' में नई सहकारी नीति लाकर मोदी सरकार भारत के सहकारी आंदोलन को नई दिशा देने का काम करेगी।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि सहकारिता की पहुंच बढ़ाने के लिए भारत सरकार हर गांव और किसान को सहकारिता से जोड़ने के प्रति कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कई नए क्षेत्र तलाशकर कोऑपेरिटव की पहुंच बढ़ाने के भी कई प्रयास किए गए हैं। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के मार्गदर्शन में हर व्यक्ति और क्षेत्र तक कोऑपरेटिव को पहुंचाने के लिए इन तीन साल में बहुत काम किया गया है। उन्होंने कहा कि गावों, किसानों, महिलाओं और गरीबों के सशक्तिकरण के लिए सहकारिता आंदोलन ने कई रास्ते खोले हैं और इसके माध्यम से आने वाले दिनों में प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा दिए गए 'सहकार से समृद्धि' के लक्ष्य को हम प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के करकमलों से शुरू होने वाला सहकारिता वर्ष दुनियाभर के करोड़ों गरीबों, किसानों और महिलाओं के सशक्तिकरण और सम्मान से जीने का रास्ता खोलेगा।

सीबीडीटी की पैन 2.0 परियोजना पैन और टैन जारी करने और प्रबंधित करने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित और आधुनिक बनाने, इसे सरल, अधिक उपयोगकर्ता-अनुकूल और कुशल बनाएगी

जालंधर ब्रीज (नई दिल्ली) . आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) ने आयकर विभाग की स्थायी खाता संख्या (पैन) 2.0 परियोजना को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना का उद्देश्य पैन और टैन जारी करने और प्रबंधित करने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित और आधुनिक बनाना है, जिससे इसे अधिक उपयोगकर्ता-अनुकूल और कुशल बनाया जा सके। 78 करोड़ पैन और 73.28 लाख टैन के मौजूदा पैन डेटाबेस के साथ, यह परियोजना करदाताओं की ज़रूरतों को संबोधित करती है, जो कई प्लेटफार्मों/पोर्टलों के एकीकरण और पैन/टैन धारकों के लिए कुशल सेवाओं पर ध्यान केंद्रित करती है।

वर्तमान में, पैन से संबंधित सेवाएं तीन अलग-अलग प्लेटफार्मों पर उपलब्ध हैं: ई-फाइलिंग पोर्टल, यूटीआईआईटीएसएल पोर्टल और प्रोटीन ई-गॉव पोर्टल। पैन 2.0 के कार्यान्वयन के साथ, इन सभी सेवाओं को एकीकृत कर यूनीफाइड पोर्टल में उपलब्ध कराया जाएगा। यह वन-स्टॉप प्लेटफ़ॉर्म पैन और टैन से संबंधित व्यापक मुद्दों/मामलों को संभालेगा, जिसमें आवेदन, अपडेट, सुधार, आधार-पैन लिंकिंग, पुनः जारी करने के अनुरोध और यहां तक कि ऑनलाइन पैन सत्यापन भी इनमें शामिल है। ऐसा करके, आयकर विभाग प्रक्रियाओं को सरल बनाने, देरी को खत्म करने और शिकायत निवारण तंत्र में सुधार करने का प्रयास कर रहा है।

पैन 2.0 परियोजना डिजिटल इंडिया पहल के साथ जुड़ने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। यह निर्दिष्ट सरकारी एजेंसियों की सभी डिजिटल प्रणालियों के लिए पैन को एक सामान्य पहचानकर्ता के रूप में स्थापित करते हुए पर्यावरण-अनुकूल, कागज रहित प्रक्रियाओं पर ध्यान केंद्रित करता है।

पैन 2.0 की मुख्य विशेषताएं

· उपयोगकर्ताओं के लिए पहुंच को आसान बनाने के लिए सभी पैन/टैन-संबंधित सेवाओं के लिए एक एकल पोर्टल। · कागजी काम को कम करने के लिए पर्यावरण-अनुकूल कागज रहित प्रक्रियाएं। · त्वरित कार्यवाही के साथ पैन निःशुल्क जारी किया जाएगा। · व्यक्तिगत और जनसांख्यिकीय डेटा को पैन डेटा वॉल्ट सहित उन्नत सुरक्षा उपायों के माध्यम से संरक्षित किया जाएगा। · उपयोगकर्ता के प्रश्नों और समस्याओं के समाधान के लिए एक समर्पित कॉल सेंटर और हेल्पडेस्क।

नए शिखर पर विजय : एनसीसी ने रॉक क्लाइम्बिंग कैंप में अर्जित की एक बड़ी सफलता

• **जालंधर ब्रीज** . चंडीगढ़

एनसीसी ग्रुप मुख्यालय शिमला के अंतर्गत एनसीसी यूनिट 1 एचपी एयर स्क्वाड्रन एनसीसी, कुल्लू ने 2 बी एन आईटीबीपी बबेली (कुल्लू) के कुशल प्रशिक्षकों के साथ एक रोमांचक रॉक क्लाइम्बिंग कैंप का सफलतापूर्वक आयोजन किया। एनसीसी महा निदेशालय द्वारा आयोजित इस कैंप का उद्देश्य आउटडोर मनोरंजन, टीम वर्क, व्यक्तिगत विकास, उत्तरजीविता कौशल को बढ़ावा देना और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान एनसीसी कैडेटों को राष्ट्र की संपदा के रूप में विकसित करना था। कैंप तीन बैचों में आयोजित किया गया था, जिसमें प्रत्येक बैच में एनसीसी निदेशालय, पंजाब हरियाणा हिमाचल प्रदेश व चंडीगढ़ के 30 कैडेट शामिल थे। 14 से 20 अक्तूबर, 2024 तक आयोजित पहले बैच में शिमला समूह के 30 कैडेटों ने भाग लिया। 4 से 10 नवंबर, 2024 तक आयोजित दूसरे बैच में पटियाला, अंबाला और रोहतक समूहों के कैडेट शामिल थे। 18 से 24 नवंबर, 2024 तक चल रहे तीसरे बैच में लुधियाना, अमृतसर, शिमला और चंडीगढ़ समूहों के कैडेट शामिल हैं। कैंप कमांडेंट विंग कमांडर कुणाल शर्मा, सीओ 1 एचपी एयर स्क्वाड्रन एनसीसी ने पहले दो बैचों का नेतृत्व किया, जबकि कैंप कमांडेंट कर्नल एएस बैंस, डिप्टी कमांडर एनसीसी ग्रुप मुख्यालय, शिमला ग्रुप तीसरे बैच का नेतृत्व कर रहे हैं। कमांडरों ने इस बात पर जोर दिया कि रॉक क्लाइम्बिंग कैंप सिर्फ एक गंतव्य नहीं है, बल्कि एक ऐसी प्रेरक यात्रा है जो कैडेटों के अधिक मजबूत व फुर्तीले व्यक्तित्व को आकार देती है।

खड़गा कोर द्वारा एकीकृत फील्ड फायरिंग युद्ध अभ्यास का प्रदर्शन

जालंधर ब्रीज (चंडीगढ़) . भारतीय सेना के खड़गा कोर ने 24 और 25 नवंबर, 2024 को महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में एक एकीकृत फील्ड फायरिंग अभ्यास, 'खड़गा शक्ति' का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस व्यापक अभ्यास का उद्देश्य एक बनावटी युद्धक्षेत्र वातावरण में संयुक्त सशस्त्र ऑपरेशन की प्रभावशीलता का परीक्षण और सत्यापन करना था।

खड़गा कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल राजेश पुष्कर ने 'खड़गा शक्ति' अभ्यास का निरीक्षण और समीक्षा की। उन्होंने समन्वित युद्धाभ्यास और हमलावर हेलीकॉप्टरों, आर्टिलरी गन, बख्तरबंद और मशीनीकृत प्लेटफॉर्म और पैदल सेना के हथियारों सहित विभिन्न सैन्य संपत्तियों की एकीकृत फायरिंग का प्रदर्शन देखा। सैनिकों ने लाइव फायरिंग अभ्यास, युद्ध रणनीति और हवाई सहायता मिशनों के माध्यम से अपनी युद्ध तत्परता का प्रदर्शन किया, जिसमें स्वॉर्म ड्रोन, लोइटर म्यूनिशन सिस्टम, क्वाडकॉप्टर और लॉजिस्टिक ड्रोन जैसी अत्याधुनिक तकनीकें शामिल थी। खड़गा कोर के जीओसी पुष्कर ने सैनिकों से बातचीत भी की और उच्च स्तर की तत्परता और ऑपरेशनल उत्कृष्टता बनाए रखने के लिए सशस्त्र बलों की प्रतिबद्धता को उजागर किया। उन्होंने असाधारण पेशेवर क्षमता का प्रदर्शन करने के लिए सैनिकों की सराहना की और पश्चिमी मोर्चे पर भविष्य के अभियानों के लिए निर्णायक बल बने रहने की खड़गा कोर की क्षमता पर विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि 'खड़गा शक्ति' अभ्यास आधुनिक युद्ध तकनीकों पर भारतीय सेना के फोकस और युद्ध की तैयारी के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करने की उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

जालंधर कमिश्नरेट पुलिस ने किया अंतरराष्ट्रीय ड्रग कार्टेल का भंडाफोड़

3 किलोग्राम अफीम बरामद, तीन आरोपी गिरफ्तार; लिंक का पता लगाने के लिए जांच जारी

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

जालंधर कमिश्नरेट पुलिस ने एक अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करके और व्यावसायिक मात्रा में 3 किलोग्राम भारी मात्रा में अफीम जब्त करके एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। अधिक जानकारी देते हुए, पुलिस कमिश्नर स्वपन शर्मा ने कहा कि ऑपरेशन से अंतरराष्ट्रीय वितरण के लिए अफीम की तस्करी और पैकेजिंग में शामिल तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने आगे बताया कि 24 नवंबर, 2024 को सीआईए टीम ने माता रानी चौक पर न्यू संत नगर, भारगो कैंप, जालंधर निवासी चाहत को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 1 किलोग्राम अफीम बरामद की थी। इसके बाद भारगो कैंप पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट के तहत एफआईआर (नंबर 114) दर्ज की गई।

सीपी ने कहा कि पूछताछ में दो साथियों, पवन कुमार और रणबीर सिंह की संलिप्तता का पता चला, जिन्हें बाद में उसी दिन गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उनके पास से फिर 2 किलो अतिरिक्त अफीम बरामद की. इस गिरोह पर ड्रग्स को पार्सल में पैक करके विदेश में तस्करी करने का संदेह है। पुलिस कमिश्नर स्वप्न शर्मा ने यह भी कहा कि मामले में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 29 जोड़ी गई है, और गिरोह के आगे और पीछे के संबंधों की पहचान करने के लिए व्यापक जांच चल रही है। इस अवैध संचालन से जुड़े अन्य व्यक्तियों का पता लगाने और आगे की वसूली सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

विशेष रूप से, पवन कुमार का आपराधिक रिकॉर्ड है, इस साल की शुरुआत में उनके खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत दो पिछली एफआईआर दर्ज की गई थीं, जबकि अन्य दो आरोपियों का कोई पूर्व आपराधिक इतिहास नहीं है। यह सफल ऑपरेशन शहर में मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने और आपराधिक नेटवर्क को खत्म करने के लिए जालंधर पुलिस की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

अजनाला रोड चौड़ा करने से सेना, सरहदी किसानों व आम लोगों को मिलेगी बड़ी राहत : धालीवाल

कहा- सेना के उच्च अधिकारियों द्वारा मौके पर इसका जायज़ा ले कर सड़क को चौड़े करने का भरोसा दिलाया

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

प्रवासी भारतीय मामले और प्रशासकीय सुधार मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने आज सेना के उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की, जिस दौरान अधिकारियों ने अजनाला सड़क को 5.5 मीटर चौड़ाई बढा कर 7 मीटर करने का आश्वासन दिया है। 11 कॉर्प्स हैडक्वाटर जालंधर कैंट में हुई बैठक में कैबिनेट मंत्री ने बताया कि लोगों की इससे लंबे समय से की जा रही माँग अब पूरी होगी, जिससे इलाके में ट्रैफिक की समस्या का पक्का हल होगा।

धालीवाल ने बताया कि 72 किलोमीटर लंबी यह सड़क जो कि सेना के अधिकार क्षेत्र में आती है। उन्होंने बताया कि गन्ने के सीजन दौरान ट्रालियाँ निकलने से सड़क पर ट्रैफिक जाम लगता था और उन्होंने इस समस्या को रक्षा मंत्रालय के समक्ष उठाया, जिसके निष्कर्ष के तौर पर आज लैफ.जनरल अजय चांदपूरिया और उनकी टीम के साथ बैठक की गई है। उन्होंने बताया कि सेना के उच्च अधिकारियों द्वारा मौके पर इसका जायज़ा ले कर सड़क को चौड़े करने का भरोसा दिलाया और अगले वर्ष पूरी करने को भी कहा गया है।

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि उन्होंने ट्रैफिक को निर्विघ्न ढंग से जारी रखने के लिए गन्ने की बैलट वाली सड़को को 10 मीटर तक चौड़ा करने की अपील भी की। जिस पर सेना के अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि जल्द ही इस प्रकार की सडकों का जायजा लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस प्रोजैक्ट से जहाँ इलाके के साथ संपर्क में अधिक सुधार होगा, वहीं सेना, किसानों एंव आम निवासियों के लिए बड़ी राहत भी होगी।

धालीवाल ने कहा कि सड़क को चौड़ा करने का भरोसा पंजाब के सहरदी इलाको के लोगों को बुनियादी सुविधाएं मुहैया करवाने में मील का पत्थर साबित होगी, जोकि पंजाब सरकार की सीमावर्ती इलाके के लोगों की भलाई की वचनबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने यह भी बताया कि सेना के उच्च अधिकारियों ने अजनाला बाइपास बनाने की संभावना भी व्यक्त की है। कैबिनेट मंत्री ने रक्षा मंत्रालय के इस रचनात्मिक प्रयास के लिए आभार व्यक्त किया। बता दे कि यह सड़क अजनाला- लोपेके, सोहल वाया तलवंडी रायदादू, पूंगा, भिंडी सैदां से होती हुई गुज़रती है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि इस प्रोजैक्ट से गन्ना और गेहूँ- धान की फ़सल मंडियों में ले जाने दौरान किसानों को बड़ी राहत मिलेगी और ट्रैफ़िक सिस्टम भी उचित ढंग के साथ चलता रहेगा।

ढाबा मालिक की मौत मामले में न्यूज पोर्टल का रिपोर्टर गिरफ्तार

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

पुलिस आयुक्त स्वप्न शर्मा के नेतृत्व में जालंधर कमिश्नरेट पुलिस ने एक ढाबा मालिक अनिल कुमार मणि की मौत के मामले में न्यूज पोर्टल के रिपोर्टर दीपक राणा उर्फ दीपक थापर को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी एफआईआर नंबर 121 तारीख 26.11.2024 थाना डिविजन नंबर 4 में धारा 105, (35) बीएनएस के तहत दर्ज होने के बाद हुई है।

पुलिस आयुक्त स्वपन शर्मा ने कहा कि यह घटना 20 नवंबर, 2024 को हुई थी। जब दीपक राणा सहित व्यक्तियों के एक समूह ने कथित तौर पर अनिल कुमार पर नेहरू गार्डन स्कूल के पास मनी ढाबा में कीट-संक्रमित सब्जियां बेचने का आरोप लगाया था। पीड़ित और उनके बेटे मानव मणि के बार-बार अनुरोध के बावजूद कि अनिल दिल का मरीज था। रिपोर्टर ग्रुप कथित तौर पर उसे परेशान करता रहा जो उसकी मौत का कारण बन गया। पीड़ित के बेटे की शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की और 27 नवंबर को आरोपी दीपक राणा को कांग्रेस भवन के पास से गिरफ्तार कर लिया। सीपी ने कहा कि झगड़े को कथित तौर पर लाइव स्ट्रीम करने वाले व्यक्तियों समेत अन्य की संलिप्तता के बारे में पूछताछ करने के लिए पुलिस रिमांड की मांग की जाएगी।

नशा मुक्ति पंजाब साइकिल यात्रा में जालंधर पहुंचे एनसीसी कैडेट्स

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

राष्ट्रीय कैडेट्स कोर, रोपड़ के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल टी वाई एस बेदी के निर्देश अनुसार नशा मुक्ति पंजाब साइकिल रैली का आयोजन किया जा रहा है। पंजाब यात्रा की इसी कड़ी में 15 कैडेट्स के साथ चीफ़ ऑफिसर रंजीत सिंह और गर्ल्स कैडेट इंस्ट्रक्टर मुस्कान आज 2 पंजाब एन सी सी ग्रुप हेडक्वार्टर पहुंचे। कमांडिंग ऑफिसर कर्नल विनोद जोशी ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। कैडेट्स को बाकी नौजवानों का प्रेरणास्रोत बताते हुए, कर्नल जोशी ने उनकी पंजाब यात्रा के अनुभव के बारे में जाना। उनकी हौंसला अफ़जाही करते हुए उनको कहा के यह बहुत खुशी की बात है के एन सी सी के कैडेट्स भी पंजाब सरकार की नशा मुक्ति अभियान का हिस्सा बने है। उनका द्वारा दिया संदेश पूरे पंजाब में जाएगा और यह इतिहास का एक हिस्सा बनेगा।

इस नशा मुक्त पंजाब साइकिल रैली के बारे में बताते हुए चीफ़ ऑफिसर रंजीत सिंह ने बताया कि कैडेट्स को 25 नवम्बर को ग्रुप कमांडर बिग्रेडियर राहुल कुमार गुप्ता ने एनसीसी अकादमी रोपड़ से रवाना किया था। रैली का मुख्य उद्देश्य नौजवानों को नशों से दूर रहने, वातावरण को साफ़ रखने और साहसी गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करना है। गर्ल्स कैडेट इंस्ट्रक्टर मुस्कान ने बताया के 7 गर्ल्स कैडेट्स भी रैली का हिस्सा है। रोपड़ से शुरू हुई यह साइकिल रैली पटियाला, संगरूर, लुधियाना से होते हुए आज जालंधर पहुंची है। दो दिन रुक के यह शहीद भगत सिंह नगर जाएगी। भारतीय सेना के 5 जवान भी इस रैली में चल रहे है।

जालंधर ग्रामीण पुलिस ने दो और अपराधियों को पकड़ा

पिछले 3.5 महीनों में 60 घोषित अपराधियों को गिरफ्तार किया गया : एसएसपी खख

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

भगोड़े अपराधियों के खिलाफ जालंधर ग्रामीण पुलिस के विशेष अभियान तहत दो और घोषित अपराधियों (पीओ) को गिरफ्तार किया है। इन गिरफ्तारियों के साथ, पिछले साढ़े तीन महीनों में पकड़े गए कुल अपराधियों की संख्या 60 तक पहुँच गई है। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान सदर नकोदर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत ईदा गाँव के निवासी विजय कुमार और कपूरथला के निवासी सनी सिंह के रूप में हुई है। दोनों को गंभीर अपराधों में संलिप्तता के कारण धारा 299 सीआरपीसी के तहत अदालतों द्वारा पीओ घोषित किया गया था।

एसएसपी हरकमल प्रीत सिंह खख ने कहा कि ये गिरफ्तारियां एसपी (जांच) जसरूप कौर बाठ और डीएसपी नकोदर सुखपाल सिंह की प्रत्यक्ष निगरानी में की गई हैं। पहला पीओ विजय कुमार, 17 दिसंबर, 2019 को एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21-61-85 के तहत सदर नकोदर पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर नंबर 200 के तहत दर्ज एक मामले में वांछित था। उसे जालंधर में एएसजे की अदालत ने 23 मार्च, 2024 को पीओ घोषित किया था। विजय कुमार को 27 नवंबर, 2024 को नकोदर पुलिस टीम ने छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किया था। दूसरा आरोपी सनी सिंह, आईपीसी की धारा 379, 482 और 34 के तहत एफआईआर नंबर 67 दिनांक 2018 के तहत दर्ज एक मामले में वांछित था। व्यापक तकनीकी निगरानी और खुफिया जानकारी जुटाने के बाद एक विशेष पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार किया।

पंजाब फ़ूड कमीशन पौष्टिक मिड डे मील और नेशनल फ़ूड सिक्योरिटी एक्ट लागू करने को प्रतिबद्ध : बाल मुकंद शर्मा

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

पंजाब स्टेट फ़ूड कमीशन बाल मुकंद शर्मा द्वारा जिला प्रशासकीय परिसर में नैशनल फ़ूड सिक्योरिटी को लागू करने के लिए विभिन्न विभागों के प्रमुखों के साथ मीटिंग की। मीटिंग के दौरान उन्होंने विभिन्न कार्यों की समीक्षा की और बच्चों के लिए पोषण आहार एवं वितरण व्यवस्था को प्रभावी ढंग से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

शर्मा ने मिड डे मील प्रोग्राम का महत्व बताते हुए शिक्षा विभाग को सरकारी स्कूलों में किचन गार्डन स्थापित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि ये गार्डन छात्रों को जैविक खेती सिखाएंगे। इस प्रोग्राम के तहत जिले के 1434 स्कूल द्वारा 1,30,683 विद्यार्थियों को निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। चेयरमैन ने खाद्य पदार्थों की संयुक्त सैंपलिंग की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि फल और सब्जियां पौष्टिक भोजन की गुणवत्ता में और विविधता लाएंगे। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को बच्चों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए जागरूकता अभियान चलाने को कहा। इस अवसर पर अध्यक्ष ने 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों द्वारा चलाए जा रहे पोषण प्रोग्राम की भी समीक्षा की और अधिकारियों को भोजन की गुणवत्ता को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। उन्होंने विभागों को आयोग का मोबाइल नंबर 9876764545 प्रदर्शित करने के भी निर्देश दिए।

सेवा शुल्क बढ़ाने की योजना को लेकर बाजवा ने आप पर साधा निशाना

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने गुरुवार को आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार पर बिगड़ती राजकोषीय स्थिति को सुधारने में अक्षमता के लिए तीखा हमला किया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बाजवा ने कहा कि धन की कमी से जूझ रही आप सरकार अपनी आय बढ़ाने के लिए लोगों को प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं के शुल्क में वृद्धि करने के लिए तैयार है। उपयोगकर्ता शुल्क 10 से 50 प्रतिशत तक जा सकता है। सरकार ने सेवाओं के शुल्क की समीक्षा के लिए पहले ही राजस्व, स्थानीय सरकार, स्वास्थ्य, पुलिस और परिवहन विभागों के साथ परामर्श किया है।

बाजवा ने कहा कि नवनियुक्त वित्तीय सलाहकारों अरबिंद मोदी और सेबेस्टियन जेम्स की सिफारिशों के बाद आप सरकार पंजाब के लोगों की जेब में और छेद जलाने पर तुली हुई है। उन्होंने कहा कि आप सरकार ने वह सब कुछ किया है, जो कल्याणकारी राज्य के मूल सिद्धांत के खिलाफ है। कादियां के विधायक बाजवा ने कहा कि सितंबर में सरकार ने पेट्रोल की कीमतों में 61 पैसे प्रति लीटर और डीजल की कीमतों में 92 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। अगस्त में इसने कलेक्टर दरों और मोटर वाहन कर में वृद्धि की। जून में आप सरकार ने बिजली दरों में बढ़ोतरी की थी। उन्होंने कहा, "2022 में विधानसभा चुनाव से पहले आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पंजाब के लोगों पर करों का बोझ नहीं डालने का वादा किया था, लेकिन खनन से सालाना 20,000 करोड़ रुपये और भ्रष्टाचार को खत्म करके 34,000 करोड़ रुपये सहित अन्य स्रोतों से राजस्व जुटाने का वादा किया था। उनके सभी वादे निरर्थक साबित हुए हैं

पंजाब पवेलियन ने व्यापार मेला 2024 में जीते प्रशंसा मेडल

नई दिल्ली (जालंधर ब्रीज). यहां प्रगति मैदान में आयोजित भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 2024 के दौरान दर्शकों से भारी सराहना प्राप्त करने वाले 'पंजाब पवेलियन' ने विषय की उत्कृष्ट प्रस्तुति और बेहतरीन प्रदर्शन के लिए दो विशेष प्रशंसा मेडल प्राप्त किए। मेले का आयोजन करने वाली भारत व्यापार प्रोत्साहन संस्था (आईटीपीओ) ने मेले के अंतिम दिन देर शाम आयोजित समारोह में ये दोनों मेडल पीएसआईईसी के अधिकारियों को प्रदान किए। इस साल मेले की थीम "विकसित भारत @2047" रखा गया था। गौरतलब है कि इस मेले का आयोजन 14 नवंबर से 27 नवंबर तक किया गया था, जिसमें विभिन्न राज्यों ने अपने विकास और उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए पवेलियन स्थापित किए। पंजाब पवेलियन के प्रशासक दविंदरपाल सिंह और उप प्रशासक गुरप्रीत सिंह ने कहा कि पंजाब के पवेलियन को दो मेडल मिलना राज्य के लिए गर्व की बात है।

मलोट में 6 करोड़ की सीवरेज परियोजना का शुभारंभ : डा. बलजीत कौर

• **जालंधर ब्रीज.** मलोट/चंडीगढ़

सामाजिक सुरक्षा, महिला और बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि मलोट शहर में सीवरेज व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए 6 करोड़ रुपये की सीवरेज परियोजना शुरू की गई है। कैबिनेट मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार प्रदेशवासियों को बेहतर नागरिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में पंजाब सरकार द्वारा राज्य भर में कई विकास परियोजनाएं चलाई जा रही हैं। डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि मलोट शहर में लंबे समय से चल रही सीवरेज की समस्या को हल करने और शहरवासियों को बेहतर व संपूर्ण सीवरेज सेवाएं प्रदान करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए संबंधित विभागों के साथ तालमेल कर आवश्यक फंड मुहैया कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मलोट के निवासी वर्षों से इस समस्या से जूझ रहे थे, जो अब इस परियोजना के माध्यम से हल होगी।

मंत्री ने बताया कि यह परियोजना मलोट शहर की पुरानी समस्याओं को दूर करने और निवासियों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके तहत 6 करोड़ रुपये की लागत से मलोट की मेन कॉलोनी रोड पर बड़ी पाइपों वाला सीवरेज बिछाने का काम शुरू किया गया है। इस परियोजना से पिंक सिटी और दशमेश नगर के निवासियों को सीवरेज बैकफ्लो की समस्या से पूरी तरह निजात मिलेगी।

राधिका की पंजाब विधानसभा की स्पीकर बनने की इच्छा पूरी हुई

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने चंडीगढ़ और मोहाली के स्कूलों और कॉलेजों की लगभग 30 छात्राओं से मुलाकात की जो पंजाब विधानसभा का दौरा करने आई थीं। उन्होंने छात्राओं को अपने लक्ष्य तय करके जीवन में सफल होने और अच्छे नागरिक बनकर देश की सेवा करने के लिए प्रेरित किया। स्पीकर के साथ बातचीत के दौरान, जब सेकरेड हार्ट सीनियर सेकेंडरी चंडीगढ़ स्कूल की पांचवीं कक्षा की छात्रा राधिका ने राजनीति में आने और पंजाब विधानसभा की स्पीकर बनने की इच्छा व्यक्त की, तो संधवां ने उसे स्पीकर की कुर्सी पर बैठाने का निर्णय लिया। उसे वीआईपी रूट से ले जाकर स्पीकर की कुर्सी पर बैठाया गया और उपस्थित सभी छात्राओं को विधायी कार्य, विपक्ष और सत्तापक्ष आदि के बारे में जानकारी दी गई।

टीम इंडिया से मिले ऑस्ट्रेलिया के पीएम

पीएम मोदी ने इस मुलाकात पर व्यक्त की प्रसन्नता, खिलाड़ियों की भी की सराहना

स्पोर्ट्स डेस्क. टीम इंडिया मौजूदा समय में ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर है। जहां दोनों टीमों के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेली जा रही है। वहीं इसका पहला टेस्ट मैच पर्थ में खेला जा चुका है जिसे भारत ने जीत लिया। वहीं दोनों टीमों के बीच 6 दिसंबर से दूसरा मैच खेला जाएगा लेकिन इससे पहले टीमें पिंक बॉल टेस्ट की तैयारी करेंगी। फिलहाल, टीम इंडिया कैनबरा पहुंची और ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीज से मिली। जहां ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने विराट कोहली की तारीफ की।

इस दौरान ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने भारतीय खिलाड़ियों की तारीफ की और उनसे काफी बातचीत की। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें पीएम एंथोनी अल्बानीज भारतीय पेसर जसप्रीत बुमराह, विराट कोहली और अन्य खिलाड़ियों से मिल रहे हैं। इस दौरान विराट और अल्बानीज के बीच जो बातचीत हुई वह काफी मजेदार थी। अल्बानीज ने विराट को देखा तो उनसे हाथ मिलाया और हाल चाल पूछआ। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई पीएम बोले कि पर्थ में आपने शानदार सेंचुरी जड़ी। मानो उस समय हम पर्याप्त कष्ट नहीं झेल रहे थे। ये वाकई में शानदार था। इस पर विराट कहते हैं कि आप इसमें मसाला लगा रहे हैं। उधर, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री की भारतीय और प्रधानमंत्री एकादश क्रिकेट टीमों के साथ मुलाकात पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में चल रही टेस्ट मैचों की श्रृंखला में शानदार शुरुआत के लिए भारतीय क्रिकेट खिलाड़ियों की भी सराहना की।

निगम कमिश्नर ने शहर में की इमारत निर्माण की जांच, दो इमारतें सील

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

नगर निगम होशियारपुर की कमिश्नर डॉ. अमनदीप कौर ने शहर में इमारतों के निर्माण में नियमों के उल्लंघन को लेकर सख्त कार्रवाई की। इस दौरान कमिश्नर की नेतृत्व में निगम की टीम ने कुल 18 स्थलों की जांच की। जांच के दौरान दो इमारतों में नियमों का गंभीर उल्लंघन पाया गया, जिसके चलते इन इमारतों को मौके पर ही सील कर दिया गया। शेष 16 इमारतों के संबंध में प्रारंभिक जांच के आधार पर शोकाज नोटिस जारी किए गए हैं। डॉ. अमनदीप कौर ने संबंधित बिल्डिंग इंस्पेक्टरों और मास्टर टाउन प्लानर (एमटीपी) को निर्देश दिया है कि वे इन इमारतों की विस्तृत रिपोर्ट कल तक प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि भवन निर्माण के दौरान नियमों का पालन सुनिश्चित करना नगर निगम की प्राथमिकता है, ताकि शहर का विकास सुनियोजित ढंग से हो और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.